Regarding the need to develop historical and religious heritages in Tripura by ASI and relocation of the ASI of North East from Mizoram

श्री बिप्लब कुमार देब (त्रिपुरा पश्चिम) : माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से एक महत्वपूर्ण विषय उठाना चाहता हूं । त्रिपुरा में उनाकोटी डिस्ट्रिक्ट में उनाकोटी नाम से एक ऐतिहासिक धरोहर है । इसमें एक कम एक करोड़ देवी-देवताओं की मूर्ति बनी हुई हैं । यह 8 वीं और 9 वीं शताब्दी की धरोहर है और इसका रखरखाव एएसआई के पास है, लेकिन एएसआई इसके रखरखाव में सही ढंग से काम नहीं करता । जब त्रिपुरा सरकार ने इसके डेवलपमेंट के लिए फण्ड दिया और काम करने की कोशिश की, तो एएसआई इसमें बाधक बनता है ।

मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग है कि यह हिन्दुओं और सनातन की बड़ी धरोहर है, इसको बचाने के लिए सौ करोड़ रुपये के आस-पास एक पैकेज बनाकर वहां के ओवरऑल डेवलपमेंट के लिए, एक किलोमीटर की फोर लेन रोड बनाने के लिए, वहां कैफेटरिया और बाकी सब सुविधाओं के लिए दिया जाए । इसके साथ ही वहां लाखों टूरिस्ट जाना चाहते हैं, तो उनकी व्यवस्था हो करें । वर्तमान में एएसआई का ऑफिस नॉर्थ-ईस्ट के मिजोरम में है । वहां 90 परसेंट ऐतिहासिक धरोहरें त्रिपुरा में हैं, लेकिन ऑफिस मिजोरम है । वे मिजोरम से जाकर वहां देखभाल नहीं करते हैं । मैंने कई बार यह मुद्दा उठाया है कि इस ऑफिस को मिजोरम से परिवर्तित करके त्रिपुरा में किया जाए, ताकि वहां की धरोहरों की उचित देखभाल और विकास हो सके ।